घर में कैद हैं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा, विडियो शेयर कर फैन्स से की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा ने शुक्रवार को संयुक्त अपील जारी करके लोगों से कोविड 19 महामारी के चलते खुद को अलग रखने के लिये कहा है। कोहली और अनुष्का ने ट्विटर पर जारी विडियो में सभी से घरों में रहने के लिए कहा। इससे पहले कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से घरों में ही रहने की अपील की थी। कोहली ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि यह बहुत कठिन समय है।' उन्होंने कहा, 'इस कोरोना वायरस को फैलने से मिल जुलकर ही रोका जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिये घरों में ही रह रहे हैं। आप भी यही करिए।'
अनुष्का ने कहा, 'घर पर रहिए और स्वस्थ रहिए।' मोदी ने 22 मार्च को 'जनता कफर्यू ' की अपील की है जिसमें लोगों से सुबह सात बजे से रात को नौ बजे तक घर से बाहर नहीं निकलने का आग्रह किया गया है।

बीसीसीआई अधिकारी पर भड़के सुनील गावसकर

क्रिकेट

मुश्ताक अली ट्रोफी को बताया था गरीबों वाला टूर्नमेंट

- घातक कोरोना वायरस के कारण आईपीएल–13 फिलहाल 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित
- उस क्रिकेटर का भी अपमान है जिनके नाम पर यह ट्रोफी खेली जाती है: गावसकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावसकर बीसीसीआई के एक अधिकारी के उस बयान पर भड़क गए जिसमें उन्होंने कहा था कि आईपीएल को मुश्ताक अली ट्रोफी की तरह होते हुए नहीं देख सकते, जिसमें विदेशी खिलाड़ी हिस्सा नहीं लें। घातक कोरोना वायरस के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 13वां एडिशन फिलहाल 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

आईपीएल–13 की शुरुआत 29 मार्च से होनी था, लेकिन इस महामारी के खतरे को देखते हुए

15 अप्रैल तक स्थगित करने का फैसला किया। इस बीच बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा था कि कोविड–19 महामारी के कारण आईपीएल में विदेशी क्रिकेटरों का हिस्सा लेना काफी मुश्किल नजर आ रहा है।

करियर में 125 टेस्ट और 108 वनडे इंटरनैशनल मैच खेलने वाले गावसकर ने स्टारस्पोर्ट्स के लिए एक कॉलम में लिखा, श्पहले भी कह चुका हूं कि कथित बीसीसीआई अधिकारी का यह कॉमेंट कि श्बीसीसीआई सुनिश्चित करेगा कि आईपीएल की क्वॉलिटी ना गिरे और यह गरीबों वाला टूर्नमेंट नहीं लगे, हम इसे मुश्ताक अली टूर्नमेंट जैसा नहीं बनाना चाहते हैं।श अगर यह बयान सही है तो काफी गलत है। यह उस क्रिकेटर का भी अपमान है जिनके नाम पर यह ट्रोफी खेली जाती है।

70 वर्षीय गावसकर ने लिखा, श्दूसरी बात यह है कि क्या यह गरीबों वाला टूर्नमेंट है? इस बारे में भी बताएं कि क्यों यह टूर्नमेंट गरीबों वाला है, सिर्फ इसलिए क्योंकि इसमें विदेशी खिलाड़ी नहीं खेलते, या इसलिए क्योंकि इसमें भारत के भी इंटरनैशनल क्रिकेटर हिस्सा नहीं लेते? इसकी वजह शेड्यूल है और बीसीसीआई को इस पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने साथ ही लिखा, श्आईपीएल की शुरुआत, इस पर निर्भर करती है कि कितनी जल्दी कोरोना वायरस को फैलने से रोका जाता है। विदेशी क्रिकेटरों को फिलहाल 15 अप्रैल तक भारत आने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। विदेशी खिलाड़ियों से लीग का रोमांच बढ़ता है, तो उनका खेलना जरूरी है।

पीके बनर्जी के मार्गदर्शन में खेला मुकाबला करियर के सबसे बड़े मैचों में से एक: भूटिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि उन्हें पीके बनर्जी के मार्गदर्शन में खेलने का मौका मिला जिन्होंने उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में अहम भूमिका निभाई। मोहन बागान के खिलाफ मैच के दौरान भूटिया को उनके कोच अमल दत्ता से नस्लीय छींटाकशी का सामना करना पड़ा था लेकिन बनर्जी ने सारा दबाव खुद झेला और उसका असर उन पर नहीं पड़ने दिया। बनर्जी का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को यहां निधन हो गया।

भूटिया ने 1997 फेडरेशन कप सेमीफाइनल मैच में ईस्ट बंगाल के लिए हैटट्रिक लगाई थी

जिसके दम पर उनकी टीम ने मोहन बागान पर 4–1 से जीत दर्ज की। उस मैच को देखने के लिए रेकॉर्ड सवा लाख दर्शक जुटे थे। भूटिया ने कहा, 'उस मैच को लेकर काफी हाइप थी और अमल दा ने कुछ गैर जरूरी बयान भी दिया था। प्रदीप दा ने अपने खिलाड़ियों पर दबाव नहीं आने दिया।' भूटिया ने कहा, 'प्रदीप दा इतने शांतचित्त थे और वह मैच में भी दिखाई दिया। यही वजह है कि वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा सके।

क्रिकेटर ने हाथ धोने का चैलेंज लिया, टंकी खोले रखने पर हो गए ट्रोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण कई देशों की सरकारें और वहां के लोग परेशान हैं। भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका के क्रिकेटर ने भी एक विडियो शेयर कर लोगों से आग्रह किया कि वे भी हाथ धोएं लेकिन पानी की बर्बादी के कारण कुछ यूजरों को यह पसंद नहीं आया।

श्रीलंका के 25 वर्षीय क्रिकेटर कुसल मेंडिस ने ट्विटर पर एक विडियो शेयर किया जिसमें वह अपने हाथ हैंडवॉश से धोते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्) और श्रीलंका क्रिकेट को भी टैग किया लेकिन इस विडियो में करीब 20 सेकंड तक वह टंकी खोले खड़े रहे। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स को यह रास नहीं आया। उन्होंने श्रीलंकाई बल्लेबाज को जवाब भी दिया। मेंडिस ने अभी तक अपने करियर में 44 टेस्ट, 76 वनडे और 26 टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं।

कई लोगों ने हालांकि उनकी तारीफ की और हाथ साफ रखने के लिए चलाए एक अभियान का सपॉर्ट भी किया।

न्यूज डायरी

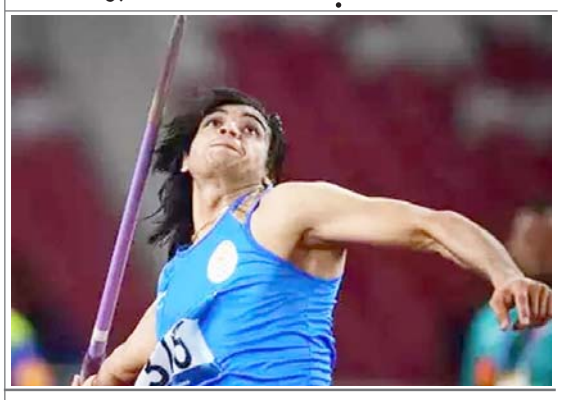

तुर्की से लौटने के बाद नीरज चोपड़ा ने खुद को अलग किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। तुर्की में अभ्यास से लौटने के बाद स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एनआईएस पटियाला में अलग–थलग रहने को कहा है। तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ कर चुके चोपड़ा को साई ने उनके होस्टल रूम में ही रहने को कहा है। उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से दूर रहने को कहा गया है।
नीरज बुधवार को ही तुर्की से लौटे हैं। ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ कर चुके भालाफेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह एनआईएस पटियाला से जा चुके हैं और अपने घर पर हैं। एनआईएस पटियाला के एक सूत्र ने कहा, 'साई ने कहा है कि नीरज को यहां रहना है तो 14 दिन दूसरों से बिल्कुल अलग रहना होगा। उन्हें और रोहित यादव को अलग कमरे दिए गए हैं। उनके होस्टल रूम के पास ही पुराना जिम भी है।' उन्होंने कहा, 'शिवपाल और विपिन कासना ने घर पर रहने का विकल्प चुना। दोनों दक्षिण अफ्रीका से आए थे।

महिला क्रिकेट में भी हम हावी हो सकते हैं: कोच रमन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में हाल ही में खत्म हुई महिला टी–20 वर्ल्ड कप 2020 के फाइनल तक पहुंची टीम इंडिया पर कोच डब्ल्यूवी रमन को नाज है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी टीम बनाना चाहते हैं, जो अगले 6–8 वर्ष तक साथ खेले और बड़े टूर्नमेंटों को अपने नाम करे। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए खास इंटरव्यू में उन्होंने टीम इंडिया के प्लान, वर्ल्ड कप मिशन और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुलकर बात की। बता दें कि महिला टीम पहली बार इस टूर्नमेंट के फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टीम की औसत आयु 22 वर्ष है, जो आगे काफी वक्त तक एक साथ खेल सकती है। इस पर कोच ने कहा– यकीनन। मैं एक टीम बनाने की कोशिश कर रहा हूं, जो 6–8 साल तक एक साथ खेलेगी और विश्व क्रिकेट पर हावी होगी। इसीलिए तो ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे अलग हो जाती है। एक टीम के रूप में उन्होंने एक साथ कुछ फाइनल खेले हैं और यही वजह है कि वे विश्व कप में हावी रहे।

पूनम यादव अपनी गेंदबाजी से हैं खुश, कहा– पहले से अधिक तेज और सटीक हुई गुगली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। ऑस्ट्रेलिया में हुई टी–20 वर्ल्ड कप में बड़े–बड़े बल्लेबाजों को अपनी लहराती गेंदों से हैरान करने वाली पूनम यादव का मानना है कि उनकी गुगली पहले से कहीं अधिक तेज और सटीक हुई है। आगरा की 28 वर्षीय लेग स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया में 10 महत्वपूर्ण विकेट लेते हुए भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह फिलहाल टी–20 में दुनिया की 7वीं, जबकि वनडे में 8वीं रैंक की गेंदबाज हैं। वर्ल्ड कप से पहले लगी चोट और टूर्नमेंट की तैयारी के बारे में उन्होंने बताया, बड़े टूर्नमेंट से पहले मैंने अपने बाएं हाथ की तर्जनी को घायल कर ली थी। उस दौरान मैंने अपने कौशल पर काम किया। मैंने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के विडियो देखे। जब मैं अभ्यास करता हूं, तो मेरे पास हर दिन एक योजना होती है। उदाहरण के लिए मैं दिनभर गुगली से गेंदबाजी करती हूं। एक स्टंप के साथ लगातार प्रैक्टिस से खेल सुधरा।

तोक्यो ओलिंपिक स्थागित के पक्ष में ओलिंपिक समिति का अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। जापान ओलिंपिक समिति के एक अधिकारी ने कोरोनावायरस से व्याप्त स्थिति के कारण ओलिंपिक खेलों को स्थगित करने की बात कही है। रिटायर्ड जूडो खिलाड़ी काओरी यामागुची जो जेओसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं ने जापान के अखबार निक्केई से कहा कि खिलाड़ी 24 जुलाई से होने वाले खेलों की तैयारी करने की स्थिति में नहीं है। यामागुची ने कहा, 'ओलिंपिक उस स्थिति में नहीं होने चाहिए जहां विश्व इसका लुत्फ नहीं उठा सके।'
उन्होंने कहा, 'जहां तक मैं कह सकती हूं, अमेरिका और यूरोप के खिलाड़ी ट्रेनिंग और अपने क्वालीफाइंग मैचों को खत्म नहीं कर पा रहे हैं। 55 साल की यामागुची ने कहा कि वह 27 मार्च को होने वाली जेओसी की बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को उठाने वाली हैं।